(ग) यह प्रश्न ही नहीं उठता ।

(घ) इस मामले में कोई समझौता विचाराधीन नहीं है । 1962–63 का कर-निर्धारण पहले ही पूरा किया जा चुका है । बाद के वर्षों के कर-निर्धारण की कार्यवाही को पूरा करने में समय लगने की सम्भावना है क्योंकि उसमें बहुत से लेन-देन हैं ।

मेसर्स मेकेन्जीज लिमिटेड

8695. **श्री ओ० प्र० त्यागी :**
श्री राम गोपाल शालवाले :
श्री हेम बरुआ :
श्री श्रीचन्द गोयल :
श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री स० मो० बनर्जी :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री भारत सिंह चौहान :
श्री प्र० न० सोलंकी :
श्री मधु लिमये :
श्री सोनावने :
श्री देवराव पाटिल :

क्या **वित्त** मंत्री 29 जून, 1967 के अतारांकित प्रश्न संख्या 3956 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मेसर्स मैकेन्जीज लिमिटेड द्वारा किस प्रकार की वस्तुएं बची जाती हैं और उनका ब्यौरा क्या है , उन्हें कितना लाभ हुआ है और उन्होंने उन पर कितना आयकर दिया है ;

(ख) उक्त फर्म ने ये वस्तुएं कहां से खरीदी थीं और उनका क्रय मूल्य कितना था ; और

(ग) उक्त फर्म की स्थापना किस तारीख से की गई थी, उसके चेयरमैन का क्या नाम है और इसके मुख्य कार्य क्या हैं ?

उपप्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) कम्पनी द्वारा बेचे गये माल में अधिकांश रेलवे वैगन तथा ट्रैलर हैं । कर निर्धारण वर्ष 1962–63 से सम्बद्ध पिछले वर्ष में कुल 1.34 करोड़ रुपये का माल बेचा गया था । जिसमें 90 प्रतिशत माल रेलवे को बेची गई वैगनें थीं । इस वर्ष कर के लिए निर्धारित कम्पनी की कुल आय, 5,18,190 रुपये है जिस पर देय कर की रकम 2,59,095 रुपये बनती है । इसमें से 1,84,121 रुपये अदा किये जा चुके हैं ।

(ख) कम्पनी ने जो तैयार माल बेचा है वह उसके द्वारा खरीदा हुआ नहीं, उस के द्वारा बनाया हुआ था । कच्चा माल, औजार तथा स्टोर एवं फालतू पुर्जे कम्पनी के अधिकतर बाजार में विभिन्न पार्टियों से तथा आंशिक रूप में रेलव से खरीदे थे । कर निर्धारण वर्ष 1962–63 से सम्बद्ध पिछले वर्ष में कच्चे माल, औजारों तथा स्टोर एवं फालतू पुर्जों की कुल लागत 74,14,448 रुपये थी ।

(ग) कम्पनी 1907 में बनी थी । कम्पनी का वर्तमान अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तमलाल झुनझुनवाला है । कम्पनी का मुख्य कार्य सड़कें, पुल आदि बनाना तथा रेलवे वैगन, ट्रैलर इत्यादि का निर्माण करना है ।

M/s. H. N. Pahilaj & Co., Bombay

8696. **Shrimati Tarkeshwari Sinha:**
Shri S. M. Banerjee:
Shri Rabi Ray:
Shri Dhireswar Kalita:
Shri Madhu Limaye:
Shri George Fernandes:

Will the Minister of **Finance** be pleased to state:

(a) whether the investigations regarding the evasion of income-tax by M/s. H. N. Pahilaj & Co., Bombay as a result of the raid carried out by the Enforcement Directorate on their premises on the 3rd September, 1966 have been completed;

(b) if not, the reasons for the delay;